



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 319]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 30, 1982/कार्तिक 8, 1904

No. 319]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 30, 1982/KARTIKA 8, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्तन खंड)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1982

सां० कां० निं० 635(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 34 के साथ पठित धारा 33 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (पत्तन खण्ड) की अधिसूचना सं० सां० कां० निं० 381(अ) तारीख 1 जुलाई, 1975 की उन बातों के सिवाय अधिकांत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण के पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, यह निवेदन देती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन की समाप्ति के पश्चात् ठीक अगले दिन से मद्रास पत्तन पर जाने वाले और इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ (1) में वर्णित प्रत्येक जलयान पर और स्तंभ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट बरों पर, और स्तंभ (3) की तटस्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट अंतरालों पर पत्तन फीस उद्ग्रहीत की जाएगी।

सारणी  
पत्तन शुल्क

प्रभाव जलयान (15 टन और उससे अधिक भार के समुद्रनामी जलयान)	पत्तन फीस की प्रति टन दर	एक ही जलयान की बाबत संवाय की प्राप्ति
(1)	(2)	(3)
1. प्रांतिक बंदरगाह और जवाहर डाक में प्रवेश करने वाले जलयान :		
(क) 1000 टन या कम उतारने/लादने/उतारने और लादने वाले जलयान :	₹ 0.00	
(1) विदेशी जलयान :		
(i) पोत	0.95	पत्तन में हर बार प्रवेश करने पर फीस देय है।
(ii) स्टीमर	1.45	

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
(2) तटवर्ती जलयान .	रु० पी०				के दौरान पल्लन में केवल एक बार प्रवेश के लिए (जिसमें वह प्रवेश भी सम्मिलित है जिस पर संदाय किया गया था) विधिमाम्य होगा।
(i) पोत	0.35	पल्लन पर संदाय करने से पोत को साठ दिन तक फीस का संदाय पुनः नहीं करना पड़ेगा।			
(ii) स्टीमर	0.90	फीस साठ दिन में एक बार संदेय है परन्तु एक बार किया गया फीस का संदाय साठ दिन की उक्त अवधि के दौरान पल्लन में केवल तीन बार प्रवेश करने के लिए (जिसमें वह प्रवेश भी सम्मिलित है, जिस पर संदाय किया गया था विधिमाम्य होगा)			
(ख) 1000 टन से अधिक भार के उतारने/लादने / उतारने और लादने वाले जलयान :					
(1) विदेशी जलयान :					
(i) पोत	1.40	पल्लन में फीस हर बार प्रवेश पर संदेय है।	(क) "पोत" से पूर्णतः वायुशक्ति से चालित जलयान अभिप्रेत है,		
(ii) स्टीमर	2.20		(ख) "स्टीमर" से पोत से भिन्न कोई जलयान अभिप्रेत है,		
(2) तटवर्ती जलयान .			(ग) "तटवर्ती पोत और तटवर्ती स्टीमर" क्रमशः ऐसा पोत या स्टीमर अभिप्रेत है जो भारत स्थित एक पल्लन या स्थान से भारत स्थित किसी अन्य पल्लन या स्थान की यात्रियों या सामान का समुद्र द्वारा वहन करता है,		
(i) पोत	0.50	पल्लन पर संदाय करने से पोत को साठ दिन तक फीस का संदाय पुनः नहीं करना पड़ेगा।	(घ) "विदेशी पोत" और "विदेशी स्टीमर" से क्रमशः ऐसा पोत या स्टीमर अभिप्रेत है जो भारत स्थित एक पल्लन या स्थान और किसी अन्य पल्लन या स्थान के बीच या भारत के बाहर पल्लन या स्थानों के बीच व्यापार में लगा है।		
(ii) स्टीमर	1.30	फीस साठ दिन में एक बार संदेय है परन्तु एक बार किया गया फीस का संदाय साठ दिन की उक्त अवधि के दौरान पल्लन में केवल तीन बार प्रवेश करने के लिए (जिसमें वह प्रवेश भी सम्मिलित है जिस पर संदाय किया गया था) विधिमाम्य होगा।			
2. भारतीय डाक से पोत चालने वाले जलयान :					
(क) विदेशी जलयान :					
(i) पोत	2.30	पल्लन में हर बार प्रवेश पर फीस संदेय है।			
(ii) स्टीमर	3.60				
(ख) तटवर्ती जलयान .					
(i) पोत	0.85	पल्लन पर संदाय करने से पोत को साठ दिन तक फीस का पुनः संदाय नहीं करना पड़ेगा।			
(ii) स्टीमर	2.20	फीस साठ दिन में एक बार संदेय है परन्तु एक बार किया गया फीस का संदाय साठ दिन की उक्त अवधि			

स्पष्टीकरण :—इस अनुसूची में—

- (क) "पोत" से पूर्णतः वायुशक्ति से चालित जलयान अभिप्रेत है,  
 (ख) "स्टीमर" से पोत से भिन्न कोई जलयान अभिप्रेत है,  
 (ग) "तटवर्ती पोत और तटवर्ती स्टीमर" क्रमशः ऐसा पोत या स्टीमर अभिप्रेत है जो भारत स्थित एक पल्लन या स्थान से भारत स्थित किसी अन्य पल्लन या स्थान की यात्रियों या सामान का समुद्र द्वारा वहन करता है,  
 (घ) "विदेशी पोत" और "विदेशी स्टीमर" से क्रमशः ऐसा पोत या स्टीमर अभिप्रेत है जो भारत स्थित एक पल्लन या स्थान और किसी अन्य पल्लन या स्थान के बीच या भारत के बाहर पल्लन या स्थानों के बीच व्यापार में लगा है।

[फा० सं० पी जी आर-32/81]

## MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

## NOTIFICATIONS

New Delhi, the 30th October, 1982

G.S.R. 635(E)—In exercise of the powers conferred by sub section (1) of section 33, read with section 34 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), and in supersession of the notification of Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing), No. G.S.R. 381 (E), dated the 1st July, 1975, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby directs that with effect from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of this notification in the Official Gazette, ports dues shall be levied on each of the vessels entering the Port of Madras and described in column (1) of the Schedule hereto annexed at the rates specified in the corresponding entry in column (2), and at the intervals specified in the corresponding entry in column (3), of the said Schedule:

## SCHEDULE

## Port Dues

Vessels Chargeable (Sea-going vessels of 15 tons and upwards)	Rate of port dues per ton	Frequency of payment in respect of the same vessel
(1)	(2)	(3)
I. Vessels entering Inner Harbour and Jawahar Dock:		
(A) Vessels landing/shipping/landing and shipping 1000 tonnes or less:—		
	Rs. P.	
(1) Foreign Vessels:		
(i) Ships.	0.95	The due is payable on each entry into the Port,
(ii) Steamers.	1.45	

(1)	(2)	(3)
(2) Coasting Vessels:		
(i) Ships	0.35	The payment of the due at the Port will exempt the ship for a period of sixty days from the liability to pay the due again.
(ii) Steamers	0.90	The due is payable once in sixty days, provided that the payment of the due once made shall be valid only for three entries into the Port (including the entry on which the payment was made) during the said period of sixty days.
(B) Vessels landing/ shipping/landing and shipping more than 1000 tonnes:—		
(1) Foreign Vessels:		
(i) Ships	1.40	The due is payable on each entry into the Port.
(ii) Steamers	2.20	
(2) Coasting vessels:		
(i) Ships	0.50	The payment of the due at the Port will exempt the ship for a period of sixty days from liability to pay the due again.
(ii) Steamers	1.30	The due is payable once in sixty days, provided that the payment of the due once made shall be valid only for three entries into the Port (including the entry on which the payment was made) during the said period of sixty days.
II. Vessels entering Bharathi Dock:		
(a) Foreign Vessels:—		
(i) Ships	2.30	The due is payable on each entry into the Port.
(ii) Steamers	3.00	
(b) Coasting vessels:		
(i) Ships	0.85	The payment of the due at the Port will exempt of the ship for a period of sixty days from liability to pay the due again.
(ii) Steamers	2.20	The due is payable once in sixty days, provided that the payment of due once made shall be valid only for three entries into the Port (including the entry on which the payment was made) during the said period of sixty days.

Explanation—In this Schedule,

- (a) "Ship" means a vessel propelled solely by wind power;  
 (b) "steamer" means any vessel other than a ship;

- (c) "coasting ship" and "coasting steamer" mean respectively a ship or steamer which is engaged in the carriage by sea of passengers or goods from any port or place in India to any other port or place in India;  
 (d) "foreign ship" and "foreign steamer" mean respectively a ship or steamer employed in trading between any port or place in India and other port or place or between ports or places outside India.

[F. No. PGR-32/81]

सां. कां. निं. 636(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के नौबहन और परिवहन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सां. कां. निं. 382(अ) तारीख 1 जुलाई, 1975 के साथ प्रकाशित मद्रास पत्तन मार्गदर्शन और अन्य कार्य (फोर्स) आदेश, 1975 को, उन बातों के सिवाय अधिकांश करने हुए जिन्हें ऐसे अधिकरण के पूर्व किया गया है या करने का खोप किया गया है, मद्रास पत्तन में मार्गदर्शन और अन्य कार्य के लिए फोर्स के उद्ग्रहण को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

#### आदेश

2. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम मद्रास पत्तन मार्गदर्शन और अन्य कार्य (फोर्स) आदेश, 1982 है।

(2) यह तुरन्त प्रचलन होगा।

2 इस आदेश में, जब तक कि विषय या मर्म् से अन्यथा अपेक्षित न हो, :—

(क) "भारतिका अवरगाह में बर्थ" से अर्थात् डाक और भारतीय डाक में बर्थों से विभिन्न बर्थ अभिप्रेत है।

(ख) "दिन" से किसी बर्थ में किसी बर्थ का लगाया जाना पूरा होने के समय से 24 घंटे अभिप्रेत है।

(ग) "कुल टनभार" से पोत द्वारा जब वह अधिकतम ग्रीष्म भारण रेखा (समर लॉड लाइन) तक भारित किया गया हो, ले जाए जा रहे स्टीमर, मंडारों ईंधन, यात्रियों और नाविक दल का भार अभिप्रेत है।

(घ) "पत्तन" से मद्रास पत्तन अभिप्रेत है।

(ङ) "पोत" से पूर्णतः वायुशक्ति से चालित जलयान अभिप्रेत है।

(च) "स्टीमर" से पोत से विभिन्न काइ जलयान अभिप्रेत है।

(छ) "लटवती पोत" और "लटवती स्टीमर" से क्रमशः ऐसा पोत या स्टीमर अभिप्रेत है, जो भारत स्थित एक पत्तन या स्थान से भारत स्थित किसी अन्य पत्तन या स्थान या स्थान को यात्रियों या सामान का समुद्र द्वारा बहन करता है।

(ज) "विदेशी पोत" और "विदेशी स्टीमर" से क्रमशः ऐसा पोत या ऐसा स्टीमर अभिप्रेत है, जो भारत स्थित एक पत्तन या स्थान और किसी अन्य पत्तन या स्थान के बीच या भारत के बाहर पत्तन या स्थानों के बीच व्यापार में लगा है।

(झ) "बलत जलयान" से जलयान का कोई ऐसा प्रकार अभिप्रेत है जिन्में पालों द्वारा नौबहन के लिए पर्याप्त बाल भेज की व्यवस्था है, चाहे उसमें नौबहु नौचन की यांत्रिक युक्तियां लगी हों या नहीं और इसमें खेने वाली मीका या केनी सम्मिलित है, किन्तु कोड़ा यान इसके अन्तर्गत नहीं है।

3. मार्गदर्शन, लंगर डायने या लंगर खोलने आदि के विषये फोर्स :

(1) बन्दरगाह में और उसके बाहर जलयानों के मार्गदर्शन के विषये जिसके अन्तर्गत पत्तन में पाइलटों की सेवाएँ और नाविक दल माँह

(लानों की सेवाएँ हैं किन्तु जिसके जलयानों की लंगर डालने या लंगर खोलने की संक्रियाओं में संलग्न टगों की सेवाएँ नहीं हैं, उद्ग्रहीत फीस नौबे की सारणों में विनिर्दिष्ट दरों पर होगी, अर्थात्

#### सारणी

मय संख्या जलयानों और सेवाओं का वर्गीकरणप्रति रजिस्ट्रीकृत टन:—  
संदेय प्रभार

		विदेशी जलयान	तटवर्ती जलयान		
		अंतर्गमन बहिर्गमन	अंतर्गमन बहिर्गमन		
		मार्गदर्शन मार्गदर्शन	मार्गदर्शन मार्गदर्शन		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रु० पै० रु० पै० रु० पै० रु० पै० रु० पै०					
1. आंतरिक बन्दरगाह और जवाहर डाक में धात्री जलयान से निम्न जलयान के मार्गदर्शन के लिए:					
(i) 1500 टन या उससे कम की उतराई या लवाई या उतराई और लवाई करने वाले जलयान:					
(क) 10000 तक जी आर टी वाले जलयान		0.30	0.30	0.20	0.20
(ख) 10001 से 23000 के बीच जी आर टी वाले जलयान		0.35	0.35	0.25	0.25
(ग) 23000 से अधिक जी आर टी वाले जलयान		0.45	0.45	0.30	0.30
(ii) 1300 टन से अधिक की उतराई या लवाई या उतराई या लवाई करने वाले जलयान:					
(क) 10000 तक जी आर टी वाले जलयान		0.45	0.45	0.25	0.25
(ख) 10001 से 23000 के बीच जी आर टी वाले जलयान		0.50	0.50	0.30	0.25
		0.45		0.30	
(ग) 23000 से अधिक जी आर टी वाले जलयान		0.55	0.55	0.35	0.35
2. धात्री जलयानों का मार्गदर्शन					
		0.45	0.45	0.25	0.25
3. भारतीय डाक में जलयानों का मार्गदर्शन					
(1) 60,000 कुल टन भार से कम के जलयान					
(क) 10,000 जी आर टी तक वाले जलयान		0.80	0.80	0.55	0.55
(ख) 100001 से 23000 जी आर टी वाले जलयान		0.95	0.95	0.60	0.60
(ग) 23000 से अधिक जी आर टी वाले जलयान		1.10	1.10	0.70	0.70
(2) 60,000 कुल टन भार और उससे अधिक के जलयान					
		1.60	1.60	1.10	1.10

(2) "कोल्ड मूव पर जलयान के मार्गदर्शन के लिये अर्थात् जलयान के इनत की शक्ति के बिना, जो भागतः या पूर्णतः खल रहा हो, मार्गदर्शन फीस उपखंड (1) के अधीन संवेय फीस से दुगुनी दरों पर उद्ग्रहीत की जायेगी।

(3) किसी तटवर्ती जलयान या विदेशी जलयान को बर्ष से स्थानांतरित करने के लिये उसका पुनः लंगर डालने के लिये या उसकी बर्ष में जलयान को घुमाने के लिये फीस, जिसके अन्तर्गत भारी लिफ्टों वाला जलयान भी है, उस बर्ष की बाबत जहाँ से स्थानांतरण या घुमाने का कार्य किया जाता हो उपखंड (1) के अधीन एकतरफा मार्गदर्शन (लंगर डालने या खोलने) के लिये संवेय प्रभार की आधी दर पर उद्ग्रहीत की जायेगी।

परन्तु, यह कि ऊपर विनिर्दिष्ट उस दशा में दुगुनी दर पर उद्ग्रहीत की जायेगी जब जलयान "कोल्ड वेम" पर प्रचालित किया जाता है।

(4) बन्दरगाह के बाहर किसी जलयान के लंगर डालने के लिये फीस जब वह न तो प्रवेश करता है और न बाहर जाता है, आंतरिक बन्दरगाह की बाबत उपखंड (1) के अधीन एक तरफा मार्गदर्शन (लंगर डालने या खोलने) के लिये संवेय प्रभारों की आधी दर पर उद्ग्रहीत की जायेगी।

(5) 19.00 बजे से 6.00 बजे के बीच लंगर डालने या लंगर खोलने, स्थानांतरित करने के प्रयोजनों के लिये जलयानों के लौकालन के लिये प्रतिरक्त प्रभार आंतरिक बन्दरगाह जवाहर डाक या भारतीय डाक पर विदेशी जलयान के लिये प्रति जी०आर०टी० 0.15 रु० और तटवर्ती जलयान के लिये प्रति जी०आर०टी० 0.10 रु० उद्ग्रहीत किया जायेगा।

स्पष्टीकरण:—इस उपखंड के प्रयोजनार्थ पाइलट द्वारा जलयान पर चढ़ने के समय को प्रारम्भ समझा जायेगा।

(6) उपखंड (1) उपखंड (2), उपखंड (3) और उपखंड (5) के अधीन उद्ग्रहीत मार्गदर्शन और अन्य प्रभारों के प्रयोजनार्थ पैट्रोल बर्ष और आउटर एक्सेज को आंतरिक बन्दरगाह समझा जायेगा।

(7) उन पाइलटों की दशा में जिनकी सेवाओं की अध्यक्षा की गयी है किन्तु उनका उपयोग नहीं किया गया है, निम्नलिखित प्रभार उद्ग्रहीत किये जायेंगे, अर्थात्:—

सेवाएँ	संदेय प्रभार	तटवर्ती जलयान
	विदेशी जलयान	
	रु०	रु०
वे पाइलट जिनकी सेवाओं की अध्यक्षा उपखंड (1), उपखंड (2), उपखंड (3) या उपखंड (4) के अधीन की गयी है किन्तु जिनका उपयोग पाइलट के जलयान पर चढ़ने के पश्चात् नहीं किया गया है।		
	648	432

टिप्पण:—(1) ऊपर विनिर्दिष्ट दर पर प्रभार जलयान के बाहर की दिशा में मार्गदर्शन के लिये न केवल अध्यक्षा के रद्द करने के मामले में ही उद्ग्रहीत किये जायेंगे बल्कि जलयानों के बर्ष के स्थानांतरण के लिये जलयान को उसके बर्ष में घुमाने के लिये या भारी लिफ्टों की स्थिति के कारण उसी बर्ष में जलयान को पुनः लंगर डालने के लिये अध्यक्षा के रद्दकरण के लिये भी उद्ग्रहीत किये जायेंगे।

(2) ऊपर के प्रभार से ऐसे रद्दकरणों की दशा में जो—

(क) पाइलटों के जलयान पर चढ़ने से पचास समय पूर्व ऐसे रद्दकरणों की दशा में जो असाधारण परिस्थितियों के अधीन ऐसे कारणों से हुए हैं जिनमें जलयान की मूल स्वरूप भंग जा सकता है।

(3) यदि उपखण्ड (2) के अधीन प्रसारों के संदाय के विषय में कोई शंका है तो उस मामले की प्रकृति को निर्दिष्ट किया जायेगा जो उसका विनिश्चय करेगा।

4. विशेष प्रसार (1) उस प्रत्येक बण्डे या उसके भाग के लिये जिसके लिये पार्सल को मग्रास पत्तन से किसी जलयान के फरक पर उसके ऐसे जलयान में चढ़ने के पश्चात् तीस मिनट से अधिक प्रतीक्षा करनी पड़ती है, सटवर्ती जलयान की खात 144 रुपये और विदेशी जलयान की खात 288 रुपये फीस उद्ग्रहीत की जायेगी।

(2) मग्रास पत्तन की सीमाओं के भीतर 30 मिनट और उसके कम की प्रतीक्षा के लिये पात्र जलयान के कर्षण के लिये प्रसार न्यूनतम 72 रु० के अधीन रहते हुए 144 रु० प्रति घंटा होगा इस अवधि के लिये प्रसार उस दर पर उद्ग्रहीत किये जायेंगे जो एक बण्डे या उसके भाग के लिये नियत है।

(3) माल के उद्धारण के लिये या गोताखोरों की सेवाओं के उपयोग के लिये फीस निम्नलिखित रूप में होंगी—

(क) उद्धारण प्रसार—उद्धारण प्रसार नौके पारणों में विनिर्दिष्ट दरों पर उद्ग्रहीत होंगे।

#### सारणी

माल संख्या	उद्धारित माल का मूल्य	उद्धारण प्रसार की दर	सन्वये न्यूनतम प्रसार
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	1000 रु० से कम	मूल्य का 22 प्रतिशत	निम्नलिखित न्यूनतम प्रसार 144 रु०
2.	1000 रु० और अधिक किन्तु 5000 से कम	मूल्य का 18 प्रतिशत	318 रु०
3.	5000 रु० और अधिक किन्तु 10000 से कम	मूल्य का 15 प्रतिशत	1266 रु०
4.	10,000 रु० और अधिक किन्तु 20,000 से कम	मूल्य का 12 प्रतिशत	2160 रु०
5.	20,000 रु० और अधिक किन्तु 50,000 रुपये से कम	मूल्य का 7 प्रतिशत	3240 रु०
6.	50,000 रु० और अधिक	मूल्य का 5 प्रतिशत	4506 रु०

टिप्पण—इन प्रसारों के अन्तर्गत भाषाकरण गोताखोरों के प्रसारों का अर्थ भी है किन्तु कोई ऐसे विशेष प्रसार इसके अन्तर्गत नहीं है जो कतिपय दशाओं में आवश्यक हों, जैसे कि टगों, बार्बों या अन्य यानों का प्रयोग जिसके लिये प्रसार यथास्थिति वास्तविक खर्च या पत्तन के लिये उपयुक्त दरों के मापनान पर लिये जायेंगे। जल से अतिग्रस्त हो सकने वाले माल की दशा में उपर्युक्त प्रतिशतता यथास्थिति विषय मूल्य पर या सीमाशुल्क मूल्यांकन के आधार पर वसूल की जायेगी।

(ख) गोताखोरों के प्रसार—गोताखोरों के प्रसार नौके सारणी में विनिर्दिष्ट दरों पर उद्ग्रहीत होंगे।

#### सारणी

माल संख्या	अवधि	6 बजे पूर्व से 6 बजे अप० का कार्य दिवस	6 बजे पूर्वा० से 6 बजे अप० के बीच रविवार और बोंडे की छुट्टियां	प्रति घंटा या उसके भाग के प्रसार	न्यूनतम प्रति घंटा या न्यूनतम उसके भाग प्रसार के लिये दर
1	2	3	4	5	6
1.	अधिकतम बंटों तक, पीशाक में	237.60	468.00	354.00	696.00
2.	उपरोक्त से अधिक	354.00	—	525.60	—

टिप्पण—(1) ऊपर विनिर्दिष्ट उद्धारण प्रसार पत्तन के अन्तःसमुद्र गोताखोरों की सेवाओं के लिये विशेष प्रत्येक्षाओं पर किये गये किसी गोताखोरी के कार्य की सभी दशाओं में गोताखोरों द्वारा तलाशी या परीक्षाओं के परिणामों का विचार किये बिना उद्ग्रहीत किये जायेंगे। जहाँ फलक पर खोए माल को बरामद करने के लिये कोई तलाशी की जाती है और ऐसा माल बरामद हो जाता है तो ऐसे प्रसार उद्ग्रहीत किये जायेंगे जो उद्धारण के लिये विहित हैं।

(2) जब गोताखोरों नौका उसी सांच द्वारा कब्ज की जाती है तो कर्षण प्रसार इसके अतिरिक्त उद्ग्रहीत किये जायेंगे।

[फा० सं० पी जी आर:32/81]  
एस० पी० मन्त्रालय, अवर सचिव

G.S.R. 636(E).—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the Port of Madras Pilotage and other Services (Fees) Order, 1975 published with the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport, No. G.S.R. 382(E), dated the 1st July 1975, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following Order for regulating the levy of fees for pilotage and other services in the Port of Madras, namely:—

#### ORDER

1. Short title and commencement.—(1) This order may be called the port of Madras Pilotage and Other Services (Fees) Order, 1982.

(2) It shall come into force at once.

2. Definition.—In this order, unless the context otherwise requires :

- "Berths in the Inner Harbour" means berths other than the berths in Jawahar Dock and Bharathi Dock;
- "day" means a period of 24 hours from the time berthing of a vessel in a berth is completed;
- "Dead Weight Tons" means the weight in tons of cargo, stores, fuel, passengers and crew carried by the ship when loaded to her maximum summer load line;
- "Port" means the port of Madras.
- "ship" means a vessel propelled solely by wind power.
- "steamer" means any vessel other than a ship.
- "coasting ship" and "coasting steamer" mean respectively a ship or steamer which is engaged in the carriage by sea of passengers or goods from any port or place in India to any other port or place in India;



(h) "foreign ship" and "foreign steamer" mean respectively a ship or a steamer employed in trading between any port or place in India and other port or place or between ports or places outside India.

(i) "sailing vessel" means any description of vessel provided with sufficient sail area for navigation under-sails alone, whether or not fitted with mechanical means of propulsion and includes a rowing boat or canoes, but does not include a pleasure craft.

### 3. Fees for Pilotage, Mooring or Unmooring, etc.:

(1) The fees leviable for piloting vessels in and out of the harbour, which includes services of the Port's Pilots and the services of the launches with the crew but excludes the services of tugs engaged in mooring or unmooring operations of vessels, shall be at the rates specified in the Table below, namely:—

TABLE

Item No.	Classification of the Vessels and Services	Charges payable per Gross Registered Ton			
		Foreign vessel		Coasting vessel	
		Inward Pilotage	Outward Pilotage	Inward Pilotage	Outward Pilotage
1	2	3	4	5	6
		Rs. P.	Rs. P.	Rs. P.	Rs. P.
1.	Pilotage of vessels other than passenger vessels in Inner Harbour and Jawahar Dock:				
	(i) Vessels landing or shipping or landing and shipping 1500 tonnes or less:				
	(a) Vessels having GRT upto 10,000	0.30	0.30	0.20	0.20
	(b) Vessels having GRT between 10,001 to 23,000	0.35	0.35	0.25	0.25
	(c) Vessels having GRT over 23,000	0.45	0.45	0.30	0.30
	(ii) Vessels landing or shipping or landing and shipping more than 1500 tonnes:				
	(a) Vessels having GRT upto 10,000	0.45	0.45	0.25	0.25
	(b) Vessels having between 10,001 to 23,000	0.50	0.50	0.30	0.30
	(c) Vessels having GRT over 23,000	0.55	0.55	0.35	0.35
2.	Pilotage of passenger vessels.	0.45	0.45	0.25	0.25
3.	Pilotage of vessels in Bharathi Dock:				

1	2	3	4	5	6
(i) Vessels of less than 60,000 dead weight tons					
(a) Vessels having GRT upto 10,000	0.80	0.80	0.55	0.55	
(b) Vessels having GRT 10,001 to 23,000	0.95	0.95	0.60	0.60	
(c) Vessels having GRT over 23,000	1.10	1.10	0.70	0.70	
(ii) Vessels of 60,000 dead weight tons and above	1.60	1.60	1.10	1.10	

(2) For piloting a vessel on "Cold Move", namely, without the power of the engine of the vessels, partly or fully in any operation, pilotage fee should be levied at double the rates payable under sub-clause (1).

(3) For shifting a coasting vessel or a foreign vessel from one berth and re-mooring it or for turning a vessel around in its berth, including vessels with heavy lifts, a fee at half the rates payable for one-way pilotage (mooring and unmooring) under sub-clause (1) in respect of the berth from where shifting or turning is made shall be levied;

Provided that the fee specified above shall be levied at double rates where the vessel is operated on "cold move".

(4) For mooring a vessel outside the harbour, when it does not enter or leave it, a fee at half the rates payable for one way pilotage (mooring or unmooring) under sub-clause (1) in respect of inner harbour shall be levied.

(5) For navigation of vessels for purposes of mooring or unmooring, shifting or turning between 18-00 hours and 06-00 hours, additional charges at the rates of Rs. 0.15 per GRT for foreign vessel and Rs. 0.10 per GRT for coasting vessel shall be levied at Inner Harbour, Jawahar Dock and Bharathi Dock.

Explanation:—For the purposes of this sub-clause the time of boarding the vessel by the Pilot shall be deemed as the commencement of Navigation.

(6) For purposes of pilotage fees and other charges leviable under sub-clause (1), sub-clause (2), sub-clause (3) and sub-clause (5) the old "Patrol Berth" and the "Outer Anchorage" shall be deemed as "Inner Harbour".

(7) In the case of Pilots whose services have been requisitioned but not utilised, the following charges shall be levied namely:—

Service	Charges payable	
	Foreign vessel Rs.	Coasting vessel Rs.
Pilots whose services have been requisitioned under sub-clause (1), sub-clause (2) sub-clause (3) or sub-clause (4) but not utilised after the pilot has boarded a vessel.	648	432

Notes:—(1) The Charges at the rates specified above shall be levied not only in cases of cancellations of requisitions for outward pilotage of vessels but also for the cancellations of requisitions for shifting of berths of vessels and re-mooring or for turning a vessel around in her berth or for re-mooring a vessel in the same berth due to position of heavy lifts.

(2) The above charges are not leviable in cases of (a) cancellations received sufficiently in time before the Pilots board the vessels and (b) cancellations caused under exceptional circumstances for reasons that could not be attributed to the vessel's fault.

(3) If any doubt arises about the payment of charges under sub-clause (2) the matter shall be referred to the Chairman, who shall decide the same.

4. Special Charges : (1) A fee of Rs. 144 in respect of a coasting vessel and Rs. 298 in respect of a Foreign Vessel shall be levied for each hour or part of an hour that a Pilot is kept waiting on board any vessel at the Port of Madras beyond thirty minutes after boarding such vessel.

(2) The charge for towage of a sailing vessel within the limits of the port of Madras shall be Rs. 144 per hour subject to a minimum of Rs. 72 for a duration of 30 minutes and loss. Charges for the period in excess of this duration shall be levied at the rate fixed for one hour or part thereof.

(3) Fees for salvago of goods or for use of services of Divers shall be as follows namely:—

(a) Salvage Charges: The salvage charges shall be leviable at the rates specified in the Table below:

TABLE

Item No.	Value of goods salvaged	Rate of salvage charges	Minimum charges payable
1	2	3	4
1.	Less than Rs. 1,000	22 per cent ad-valorem	Subject to a minimum of Rs. 144
2.	Rs. 1000 and more but less than Rs. 5,000	18 per cent ad-valorem	Rs. 318
3.	Rs. 5,000 and more but less than Rs. 10,000	15 per cent ad-valorem	Rs. 1266
4.	Rs. 10,000 and more but less than Rs. 20,000	12 per cent ad-valorem	Rs. 2160
5.	Rs. 20,000 and more less than Rs. 50,000	7 per cent ad-valorem	Rs. 3240
6.	Rs. 50,000 and over	5 per cent ad-valorem	Rs. 4506

Note :—These charges include the cost of ordinary diver's charges but are exclusive of any special charges which may be necessary in certain cases, such as the use of tugs, barges or other crafts which will be charged at actual cost or at the rates set forth in the Port's Scale of Rates, as the case may be. In case of goods liable to damage by water, the above percentage shall be recovered on the sale value or Customs valuation, as the case may be.

(b) Diver's Charges: Diver's charges shall be leviable at the rates specified in the Table below:

TABLE

Item No.	Period	Week days between 6 a.m. to 6 p.m.		Sunday and Boards Holidays between 6 a.m. to 6 p.m.	
		Rate per hour or part of an hour	Minimum Charges	Rate per hour or part of an hour	Minimum Charges
1	2	3	4	5	6
1.	Upto a maximum of four Indress hours	237.60	468.00	354.00	696.00
2.	In excess of the above	354.00	—	525.60	—

Note: (1) The Diver's charges specified above shall be levied in all cases of diving work carried out on special requisitions for the services of the Port Submarine Diver irrespective of the results of search or examinations by the Divers. Where a search is undertaken for recovery of goods lost over board and such goods are recovered, charges as for salvage shall be levied.

(2) When the diving boat is towed by a launch, the towage charges shall be levied extra.

[F. No. PGR : 32/81]  
S. P. AMBROSE, Addl. Secy.

